

राजस्थान सिविल सेवा अपील अधिकरण, पीठ जोधपुर

अपील संख्या :- 481 / 2025

अनीस अहमद

—अपीलार्थी

बनाम

1. राजस्थान राज्य जरिए प्रमुख शासन सचिव, राजस्व विभाग, शासन सचिवालय, जयपुर।
2. सम्भागीय आयुक्त, कोटा सम्भाग, कोटा।
3. जिला कलक्टर, जिला कोटा।
4. कोषाधिकारी, कोषालय, कोटा।

—प्रत्यर्थीगण

प्रस्तुतिकरण की दिनांक : 12.02.2025

आदेश की दिनांक : 24.02.2025

उपस्थित —

अपीलार्थी की ओर से : श्री वी एस भावला, अधिवक्ता

प्रत्यर्थी विभाग की ओर से : श्री हेमन्त परमार, राजकीय अधिवक्ता

समक्ष :- चेतन राम देवड़ा, सदस्य

असलम मेहर, सदस्य

आदेश

मामले की आवश्यक प्रकृति को देखते हुए राजस्थान सिविल सेवा (सेवा मामलों के लिए अपीलीय अधिकरण) अधिनियम-1976 की धारा-4ए के उपबन्ध में शिथिलता प्रदान करने की प्रार्थना स्वीकार कर अपील पर सुनवाई की गई।

अपीलार्थी ने अपील में वर्णित तथ्यों को दोहराते हुए यह तर्क दिया है कि अपीलार्थी वर्तमान में वरिष्ठ सहायक के पद पर कोष कार्यालय, कोटा में कार्यरत है। प्रत्यर्थी विभाग के आदेश दिनांक 15.01.2025 (अनुलग्नक-1) द्वारा अपीलार्थी का स्थानांतरण वर्तमान पदस्थापन स्थान से तहसील सांगोद विशाल गोचर के स्थान पर करीब 80 किमी दूर किया गया। अपीलार्थी का कथन है कि अपीलार्थी हृदय संबंधी समस्या से ग्रसित है तथा डॉक्टर की सलाह है कि अपीलार्थी को ओपन सर्जरी करवानी चाहिए तथा अपीलार्थी की भुआ भी अंधी महिला है, जिसकी देखभाल की जिम्मेदारी अपीलार्थी पर ही है।

अतः अपीलार्थी की अपील स्वीकार की जाकर प्रत्यर्थी विभाग के आदेश दिनांक 15.01.2025 (अनुलग्नक-1) को अपास्त किया जावे तथा अपीलार्थी को वर्तमान पदस्थापन स्थान पर ही कार्य करने दिया जावे।

हमने अपीलार्थी की अपील पर बहस सुनी एवं पत्रावली पर उपलब्ध अभिलेख का अनुशीलन कर मनन किया गया।

प्रकरण के तथ्यों, अभिवचनों एवं अभिलेख से यह स्पष्ट होता है कि अपीलार्थी वरिष्ठ सहायक के पद पर कोष कार्यालय, कोटा में कार्यरत है। प्रत्यर्थी विभाग के आदेश दिनांक 15.01.2025 (अनुलग्नक-1) द्वारा तहसील सांगोद किया गया। अपीलार्थी हृदय रोग से पीड़ित है।

अतः उपरोक्त तथ्यों को देखते हुए हस्तगत अपील में अपीलार्थी की चिकित्सीय स्थिति के दृष्टिगत न्यायहित में अपीलार्थी को निर्देश दिये जाते हैं कि वे अपने सक्षम अधिकारी के समक्ष एक अभ्यावेदन इस आदेश की दिनांक से 2 सप्ताह में प्रस्तुत करें तथा प्रत्यर्थी विभाग को यह निर्देश दिया जाता है कि अपीलार्थी के द्वारा प्रस्तुत अभ्यावेदन को प्राप्त होने की दिनांक से 2 सप्ताह में अभ्यावेदन पर आख्यात्मक आदेश पारित कर अपीलार्थी को सूचित करें। प्रत्यर्थी विभाग द्वारा उक्त अभ्यावेदन का निस्तारण किये जाने तक अपीलार्थी के संबंध में पारित आलोच्य आदेश दिनांक 15.01.2025 (अनुलग्नक-1) का क्रियान्वयन (Operation) अपीलार्थी की सीमा तक स्थगित रहेगा एवं साथ ही यह स्पष्ट किया जाता है कि अपीलार्थी को वही कार्यरत रखा जावे जहाँ वह चुनौती आदेश पारित किये जाने से पूर्व कार्यरत था। यहां यह स्पष्ट किया जाता है कि उक्त निर्देशों की पालना अपीलार्थी द्वारा नहीं किये जाने पर यह स्थगन आदेश स्वतः ही निष्प्रभावी हो जावेगा।

अतः उक्त अपील, मय स्थगन प्रार्थना पत्र, ग्राह्यता के प्रक्रम पर ही उपर्युक्त निर्देश के साथ अन्तिम रूप से निस्तारित की जाती है।

(असलम मेहर)
सदस्य

(चेतन राम देवड़ा)
सदस्य